April - September 2017 Vol. 11 (1) अप्रैल - सितम्बर 2017 अंक 11 (1)

From Director's Desk....

This half yearly period witnessed collaborative workshops, international linkages with IRRI, Philippines, and celebration of National Days, in addition to its regular research and outreach activities. Low cost Azolla based poultry feed was formulated and tested in Vanaraja laying hens. During this period, a Brainstorming Workshop on 'Road Map of ICAR-CIWA & AICRP on Home Science' was organized at NASC, New Delhi. A Training Programme on 'Women Leadership for Impact in Agriculture Development' was organized under the ICAR-CIWA-IRRI Collaborative Project 'Increased productivity of rice based cropping systems and farmers income in Odisha'. A Seminar on 'Towards Wider and Lasting Impacts: IRRI's Gender R4D Strategy' was delivered by Dr. Ranjitha Puskur, Gender Research Programme Leader from IRRI. Follow-up-workshop on 'Mitigating Drudgery of Farm Women: Adoption of Gender friendly Technologies' was also organized during this period. There were participation in the 'National Convention on Women Empowerment: Challenges and Constraints' at Bihar Agricultural University, Sabour and Brain-Storming Session on 'Current Approaches of ATMA and KVK of Odisha in Addressing Gender Issues in Agriculture' at ICAR-CIWA. The Quinquennial Review Team (QRT) meeting for XII Plan period (2012-17), 18th Research Advisory Committee (RAC) meeting and the 17th Institute Research Council (IRC) meeting were also conducted during this period. The International Day of Yoga was also celebrated. As part of the ongoing National Sanitation Campaign, 'Swachhta Pakhwada 2017' and campaign on 'Swachhta Hi Sewa' were also observed. Besides, several other capacity building programmes for women SHGs were also arranged with the collaboration of Odisha Watershed Development Mission and Orissa University of Agriculture and Technology.

Jatinder Kishtwaria

निदेशक की कलम से...

आधे वर्ष की इस अवधि के दैरान नियमित अनुसंधान एवं आउटरीच गतिविधियों के अलावा अनेक सहयोगी कार्यशालाएं, आईआरआरआई, फिलीपाइंस के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्पर्क स्थापित हुए तथा राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन हुआ। कम लागत वाला एजोला आधारित कुक्कुट आहार तैयार किया गया तथा उसका परीक्षण अंडा देने वाली वनराज मुर्गियों पर किया गया। इस अवधि के दौरान एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में 'भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्युए तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परीयोजना की भावी दिशा' पर एक विचार- मंथन कार्यशाला आयोजित हुआ। भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्युए व आईआरआरआई 'ओडिशा में फसल प्रणाली आधारित चावल की उत्पादकता में वृद्धि तथा किसानों की आमदनी में वृद्धि शीर्षक की सहयोगी परियोजना के अंतर्गत 'कृषि विकास में प्रभाव के लिए महिला पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईआरआरआई के डॉ रंजिता पुस्कर, लिंग अनुसंधान कार्यक्रम नेता द्वारा व्यापक तथा अनवरत प्रभावों की ओर - आईआरआरआई लिंग आर 4डी कार्यनीति पर एक सेमिनार दिया गया। इस अवधि के दौरान 'खेतिहर महिलाओं के परिश्रम को कम करना; लिंग उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को अपनाना' विषय पर एक अनुवर्ती कार्यशाला आयोजित की गई। विहार कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण: चुनौतियां एवं बाधाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन तथा भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्लुए में आयोजित 'कृषि में लिंग संबंधी मुद्दों को हल करने में आत्मा तथा ओडिशा के कृषि विज्ञान केन्द्रों का वर्त्तमान दृष्टिकोण पर आयोजित विचार-मंथन सत्र में भी भागीदारी हुई। बारहवीं योजना अवधि (2012-17) की बैठक, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) को 18 वीं बैठक और संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की 17वी बैठक भी इस अवधि के दौरान आयोजित की गईं। योग पर अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया गया। वर्त्तमान राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के अंत रूप में 'स्वच्छता पखवाडा 2017' तथा 'स्वच्छता ही सेवा' पर अभियान भी चलाया गया। इसके अतिरिक्त महिला स्वयं सहायता समूह के लिए कुछ अन्य क्षमतानिर्माण संबंधी कार्यक्रम भी ओडिशा जलसंभर विकास मिशन और कृषि एवं प्रौद्योगिकी कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किए गए।

जतिन्दर किश्तवारिया

RESEARCH HIGHLIGHTS

Low cost Azolla based poultry feed was formulated and tested in Vanaraja laying hens

Feed cost accounts for 70-80% of total cost of poultry production. Two major problems faced by poultry farmers are higher price and scarcity of conventional feed ingredients. Using alternate non competitive feed ingredients in poultry feed can reduce the cost of production. One such feed is Azolla (*Azolla pinnata*) which is rich in protein and contains almost all essential amino acids, carotene and several growth promoters as intermediaries. Under the Institute project 'Promoting gender equity through family poultry production', an experiment was conducted to evaluate dietary incorporation of Azolla on production performance and egg quality of Vanaraja laying hens under intensive system of rearing. Seventy two, 48-weeks old Vanaraja laying hens were randomly distributed into three dietary treatment groups of 24 hens each and were reared in deep litter system. Each treatment contained 4 replicates of 6 hens each. All the laying hens were kept under uniform managerial conditions for a period of 8 weeks. Three experimental diets were formulated by incorporating Azolla meal at 0, 5% and 10% levels. All the diets formulated were isonitrogenous and isocaloric. A measured quantity of feed (150 g/day) was offered to each bird everyday during the experimental period. It was found that dietary incorporation of Azolla meal upto 10% in the diet of Vanaraja laying hens had no adverse effect on egg production, egg weight and feed conversion (g feed/g egg) and egg quality (Haugh unit, eggshell percentage and eggshell thickness).

Table 1. Effect of dietary incorporation of Azolla meal on production performance and egg quality of laying hens

Parameters	Azolla meal (%)			SEM	P value
	0	5	10		
Egg production (%)	50.09	52.76	51.13	1.81	0.845
Egg weight	61.62	61.62	60.50	0.60	0.692
Feed efficiency (g feed/g egg)	4.41	4.36	4.59	0.22	0.914
Haugh unit	75.38	75.39	74.41	1.04	0.161
Albumen %	58.35	56.86	57.29	0.37	0.249
Yolk %	32.70	34.27	34.07	0.34	0.121
Eggshell %	8.95	8.85	8.63	0.12	0.572
Eggshell thickness (mm)	0.372	0.381	0.378	0.005	0.452

अनुसंधान उपलब्धियाँ

कम लागत पर अजोला आधारित कुक्कुट आहार का विकास तथा अंडा देने वाली वनराज मुर्गियों पर उसका परीक्षण

आहार की लागत कुक्कुट उत्पादन की कुल लागत का 70-80 प्रतिशत भाग है। कुक्कुट पालकों द्वारा जिन दो प्रमुख समस्याओं का सामना किया जा रहा हैं उनमें से एक हैं उच्च मूल्य तथा दूसरी परंपरागत आहार घटकों की कमी। कुक्कुट आहार में वैकल्पिक व गैर-स्पर्धी आहार घटकों का उपयोग करके उत्पादन की लागत कम की जा सकती है। इनमें से ऐसा एक आहार एजोला (एजोला पिन्नाटा) है जो प्रोटीन से समृद्ध है और जिसमें लगभग सभी अनिवार्य एमिनो अम्ल, कैरोटीन तथा कुछ वृद्धि प्रवर्धक भी मध्यवर्तियों के रूप में विद्यमान हैं। 'परिवार में कुक्कुट उत्पादन के माध्यम से लिंग समानता को बढावा देना' शीर्षक की संस्थान की परियोजना के अंतर्गत उत्पादन निष्पादन और पालन की गहन प्रणाली के अंतर्गत अंडा देने वाली वनराज मुर्गियों के अंडे की गुणवत्ता पर उनके आहार में एजोला मिलाने का क्या प्रभाव पडता है, इसका पता लगाने के लिए एक प्रयोग किया गया। अंडा देने वाली ७२और ४८ सप्ताह आयु की वनराज मुर्गियों को २४ मुर्गियों के ३ आहारी उपचार समूहों में बेहतरीब वितरित किया गया और उन्हें गहरी बिछावन प्रणाली पर पाला गया। प्रत्येक ६ मुर्गियों की ४ प्रतिक्रिया थीं। अंडा देने वाली सभी मुर्गियों को ८ सप्ताह की अवधि के लिए प्रबंध की समरूप दशाओं में रखा गया। एजोला चूर्ण मिलाकर ०,५ प्रतिशत और १० प्रतिशत स्तरों के तीन प्रायोगिक आहार तैयार किए गए। सभी आहार समनाइट्रोजनी तथा समान कैलोरी के तैयार किए गए। प्रत्येक पक्षी को प्रयोग की अवधि के दौरान प्रतिदिन आहार की नपी-तुली मात्रा (१५०/दिन) दी गई। यह पाया गया कि अंडा देने वाली वनराज मुर्गियों के आहार में १० प्रतिशत तक एजोला चूर्ण मिलाने का अंडे के उत्पादन, अंडे के भार व आहार परिवर्त्तन (ग्रा.आहार/ग्रा. अंडा), अंडे की गुणवत्ता (हॉग इकाई, अंडे के खोल के प्रतिशत व अंडे के खोल की मोडाई) पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडता है।

तालिका १. आहार में एजोला चूर्ण मिलाने का अंडा देने वाली मुर्गीयों के उत्पादन निष्पादन व अंडे की गुणवत्ता पर प्रभाव

प्राचल	एज़ोला चूर्ण (%)			एसईएम	P मान
	0	5	10		
अंडा उत्पादन(%)	50.09	52.76	51.13	1.81	0.845
अंडे का भार	61.62	61.62	60.50	0.60	0.692
आहार दक्षता (ग्रा. आहार/ग्रा. अंडा)	4.41	4.36	4.59	0.22	0.914
हॉग इकाई	75.38	75.39	74.41	1.04	0.161
एल्ब्यूमिन %	58.35	56.86	57.29	0.37	0.249
यॉक %	32.70	34.27	34.07	0.34	0.121
अंडा खोल %	8.95	8.85	8.63	0.12	0.572
अंडा खोल की मोटाई (मि.मी.)	0.372	0.381	0.378	0.005	0.452

From the results of the present study, it is concluded that Azolla meal can be incorporated up to 10% in the diet of Vanaraja laying hens without any adverse effect on egg production and egg quality.

Training Programme on Women Leadership for Impact in Agriculture Development

Two Training Programmes on 'Women Leadership for Impact in Agriculture Development' were organized under the ICAR-CIWA-IRRI Collaborative Project 'Increased productivity of rice based cropping systems and farmers income in Odisha' at ICAR-CIWA, Bhubaneswar during 29th May - 2nd June, 2017 and 5th-7th June, 2017, respectively. Nineteen women participants from different organizations (Govt./Pvt./NGOs) across the Odisha State participated in the first training programme. During the training Programme, participants were trained on utilizing collective wisdom for project proposal development, sharing and creating community partners and how to find funding for project. All the participants presented project proposals under inclusive development through knowledge, innovative extension methods, networks and capacity building in Odisha before a panel of Scientists (ICAR-CIWA and IRRI) for consideration under the Collaborative Project. During the Second Training Programme (5th-7th June, 2017), the participants were trained for further refining of their proposals. The project proposals were further evaluated by the team of Scientists from both the organizations under the Chairmanship of Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA.

वर्त्तमान अध्ययन के पीरणामों से यह निष्कर्ष निकाला गया कि अंडा देने वाली वनराज मुर्गियों के आहार में १० प्रतिशत तक एजोला चूर्ण मिलाया जा सकता है और इसका अंडा उत्पादन व अंडे की गुणवत्ता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पडता नही है।

कृषि विकास में प्रभाव के लिए महिला नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्युए, भुवनेश्वर में दिनांक 29 मई-2 जून 2017 व 5-7 जून 2017 को 'ओडिशा में चावल आधारित फसल प्रणालियों तथा किसानों की आमदनी की बढी हुई उत्पादकता' पर भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजना के अंतर्गत 'कृषि विकास में प्रभाव के लिए महिला नेतृत्व' पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे ओडिशा राज्य के विभिन्न संगठन (सरकारी/निजी/स्वयं सेवी संगठनों) से 19 महिलायों ने प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को परियोजना प्रस्ताव के विकास के लिए सहयोगी बृद्धि के उपयोग, समुदाय साझीदारों का सृजन व उनकी भागीदारी तथा परियोजना के लिए निधि का पता कैसे लगाया जाए, इन विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने ज्ञान, नवोन्मेषी विस्तार विधियों व ओडिशा में नेटवर्क क्षमता निर्माण के माध्यम से सकल विकास के अंतर्गत सहयोगात्मक परियोजना के अंतर्गत विचारार्थ वैज्ञानिकों (भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए तथा आईआरआरआई) के पैनल के समक्ष परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए। दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान (5-7 जून 2017) प्रतिभागियों को अपने प्रस्तावों को और अधिक सुधारने के बारे में प्रशिक्षित किया गया। परियोजना प्रस्तावों का डॉ. जतिन्दर किश्तवारिय, निदेशक, भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए की अध्यक्षता में दोनों संगठनों के वैज्ञानिकों के द्वारा मूल्यांकन किया गया।

MAJOR EVENTS

Seminar on "Towards Wider and Lasting Impacts: IRRI's Gender R4D Strategy"

As part of the CIWA-IRRI Collaborative Project on 'Increased Productivity of Rice based Cropping Systems and Farmers Income in Odisha', a one-day seminar on "Towards Wider and Lasting Impacts: IRRI's Gender R4D Strategy" was organized at ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 20th July, 2017. Dr. Ranjitha Puskur, Gender Research Programme Leader from International Rice Research Institute (IRRI) delivered the seminar. The global scenario of gender research for development, IRRI's strategies for development of women leaders, and the strategies to ensure sustainable impacts of women empowerment programmes were highlighted in the seminar. The programme was presided over by Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, and Dr. Poornima Shankar, Lead Specialist from IRRI participated as Guest of Honour. All the Scientific and Technical staff from ICAR-CIWA had a pro-active participation, and made the session more interactive. An interface was also held among the partner institutions viz., ICAR-CIWA, IRRI and NGOs regarding the technical programme and future course of action pertaining to the project component 'Women Leadership for Impact in Agricultural Development'.

Follow-up -Workshop on Mitigating Drudgery of Farm Women: Adoption of Gender friendly technologies

Follow-up Workshop on 'Mitigating Drudgery of Farm women: Adoption of Gender-friendly Technologies' was held on 22nd July, 2017. The purpose of the above workshop was mainly for critically reviewing the status of the project among the members of the core committee, advisory committee and stakeholders. The workshop was carried out in the presence of 60 participants from KVKs of OUAT, Watershed Mission, Odisha and ICAR-CIWA. Mrs Sujata R. Karthikeyan, Commissioner cum Director, OWDM, Bhubaneswar and Dr. P. K. Roul, Hon'ble Dean (Ext. Edn), OUAT, Bhubaneswar attended the programme as Chief Guest and Guest of Honour respectively. Dr L.P. Gite, Emeritus Scientist, ICAR-CIAE, Bhopal, Dr K.N. Agarwal, PC, AICRP on ESA,

प्रमुख कार्यक्रम

'व्यापक एवं निरंतर प्रभावों की ओर : आईआरआरआई की लिंग आर4डी कार्यनीति' विषय पर सेमिनार

'ओडिशा में फसल प्रणालियों तथा किसानों की आमदनी के आधार पर चावल की उत्पादकता में वृद्धि' विषय पर सीआईडब्ल्यूए-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजना के एक अंग के रूप में दिनांक २० जुलाई २०१७ को भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में व्यापक और निरंतर प्रभावों की ओर: आईआरआरआई की लिंग आर4डी नीति' पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। डॉ. रंजिता पुष्कर, लिंग अनुसंधान कार्यक्रम नेता, अंतराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने व्याख्यान दिया। इस सेमिनार ने विकास के लिए लिंग अनुसंधान के वैश्विक परिदृश्य, महिला नेताओं के विकास के लिए आईआरआरआई की कार्यनीतियां तथा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के टिकाऊ प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए कर्य्नीतियों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने की तथा डॉ. पूर्णिमा शंकर, अग्रणी विशेषज्ञ, आईआरआरआई ने सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लिया। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के सभी वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया तथा सत्र को और अधिक चर्चाशील बनाया। साझेदार संस्थाओं नामत: भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए, आईआरआरआई औरस्वयं सेवी संगठनों के बीच 'कृषि विकास में प्रभाव के लिए महिला नेतृत्व' परियोजना घटक से संबंधित तकनीकी कार्यक्रम तथा भावी कार्रवाई के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई।

खेतिहर महिलाओं के श्रम को कम करना : लिंग अनुकूल प्रौद्योगिकियों कों अपनाना विषय पर अनुवर्ति कार्यशाला

दिनांक २२ जुलाई २०१७ को खेतिहर महिलाओं के श्रम को कम करना: लिंग अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाना विषय पर अनुवर्ती कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य मुख्य समिति, परामर्श समिति तथा हितधारकों के बीच परियोजना की स्थिति की आलोचनात्मक समीक्षा करना था। यह कार्यशाला ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों, ओडिशा के जल संभर मिशन व भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए से आए ६० प्रतिभागियों की उपस्थिति में आयोजित की गई। श्रीमती सुजाता आर, कार्त्तिकेयन, आयुक्त एवं निदेशक, ओडब्ल्यूडीएम, भुवनेश्वर तथा डॉ. पी.के राउल, माननीय डीन (विस्तार शिक्षा), ओयूएटी, भूवनेश्वर ने क्रमश: मुख्य अतिथि व सम्मानीय अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिए। डॉ. एल.पी गीते, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प-सीआईएई. भोपाल; डॉं के. एन.अग्रवाल, परियोजना समन्वयक, ईएसए पर अखिल भारतीय समन्वित परियोजना, भा.कृ.अ.प.- सीआईएई, भोपाल

ICAR-CIAE, Bhopal and Dr S.K. Mohanty, Assoc Prof., CAET, OUAT were the experts for the above programme.

तथा डॉ एस. के. मोहंती, एसोसिएट प्राध्यापक, सीएईटी, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने भी इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया।

Brain-Storming Session on "Current Approaches of ATMA and KVK of Odisha in Addressing Gender Issues in Agriculture"

A Brain storming session was held on 2nd August, 2017 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture under the Emeritus Scientist Scheme of the ICAR which was presided over by Dr. (Mrs.) Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA. The session was attended by forty-one participants including retired eminent personalities in the field of behavioural science and gender. During this workshop, Dr. B.N. Sadangi (Emeritus Scientist) gave a detailed presentation on objectives, genesis of ATMA and KVK, structure and functioning, methodology and expected outcome of the project. The technical discussions were conducted under four different sub-sessions. Co-ordination between KVK and ATMA was emphasized. As gender sensitization in the farm families is key to promote women empowerment, the project aims at providing information on role of ATMA and KVK in that perspective

'कृषि में लिंग संबंधी मुददों को हल करने में आत्मा तथा ओडिशा के कृषि विज्ञान केन्द्रों का वर्तमान दृष्टिकोण' पर विचार-मंथन सत्र

भा.कृ.अ.प. की सेवानिवृत्त वैज्ञानिक योजना के अंतर्गत भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए में २ अगस्त २०१७ को एक विचार-मंथन सत्र आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए ने की। इस सत्र में व्यावहारात्मक विज्ञान तथा लिंग के क्षेत्र में सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित ४१ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के दौरान डॉ. बी.एन. षडंगी, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक ने आत्मा और कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देशयों व उनके सिद्धांतो संरचना एवं कार्य प्रणाली क्रियाविधि तथा परियोजना के अपेक्षित परिणाम पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। चार विभिन्न उप सत्रों के अंतर्गत तकनीकी चर्चाएं आयोजित की गईं। कृषि विज्ञान केन्द्र तथा आत्मा के बीच समन्वयन पर विशेष बल दिया गया। यह पाया गया कि लिंग संवेदीकरण किसान परिवारों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की कुंजी है तथा परियोजना का उद्देश्य इस संदर्भ में आत्मा तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका के वारे में सूचना उपलब्ध कराना है।

Participation in the National Convention on Women Empowerment : Challenges and Constraints

A two-days National Convention on "Women Empowerment: Challenges and Constraints" along with Foundation Day of Bihar Agricultural University was organized on 5th and 6th August, 2017 at Sabour, Bihar. On this occasion, Dr. Prem Kumar, Hon'ble Minister for Agriculture and Mrs. Kumari Manju Verma, Hon'ble Minister for Social Welfare, Bihar Government graced the occasion. The esteemed Vice Chancellor, Dr. Ajoy Kumar Singh chaired the programme. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA attended as the Guest of Honour and chaired the Technical Session-I with the theme on 'Women in Agriculture- Roles and Responsibilities'. She delivered a talk on "Gender Concerns in Agriculture" in which she emphasized on gender friendly models, modules, gender equity, women friendly drudgery reducing tools, etc. She also pointed out how to work with both men and women in society for women empowerment and gender mainstreaming. The other technical sessions covered different themes like: women entrepreneurship, health, nutrition and education and women empowerment in reachable yet unreached societies. Dr. Sabita Mishra and Dr. Jyoti Nayak, Principal Scientists from ICAR-CIWA also attended the convention and made oral presentations.

Brainstorming Workshop on Road Map of ICAR-CIWA & AICRP on Home Science

The Brainstorming Workshop on 'Road Map of ICAR-CIWA & AICRP on Home Science' was held on 14th September, 2017 at NASC, New Delhi. The meeting was chaired by Dr. P. Das, Former DDG (Ag. Extn.), ICAR & Chairman, QRT of ICAR-CIWA. Dr. N.S. Rathore, DDG (Ag. Edn.) and Dr. A.K. Singh, DDG (Ag. Extn.), ICAR graced the occasion as guests of honour. At the outset, Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA welcomed the Chairperson and other participants in the meeting, and presented a highlight on research achievements and future perspectives of the Institute. Dr. V.P. Chahal, ADG (Ag. Extn.), Dr. P.S. Pandey, ADG (EP&HS.), Dr. Vinita Sharma, Chairperson, RAC of ICAR-CIWA, and six experts from different organizations across the country participated in the workshop and deliberated on preparing the road map for ICAR-CIWA and AICRP on Home Science. The experts complimented the Institute for its continuous upgradation, and the good work done for

महिला सशक्तिकरण : चुनौतियां तथा बाधाएं विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी

सावौर, बिहार में ५ और ६ अगस्त २०१७ को बिहार कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण : चुनौतियां एवं बाधाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ. प्रेम कुमार, माननीय कृषि मंत्री तथा श्रीमती कुमारी मंजू वर्मा, माननीय समाज कल्याण मंत्री, बिहार सरकार ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। सम्मानीय कुलपति डॉ.अजॉय कुमार सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए ने सम्मानीय अतिथि के रूप में इस सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कृषिरत महिलाएं- भूमिकाएं एवं उत्तरदायित्व' मुख्य विषय वाले तकनीकी सत्र१ की अध्यक्षता की और 'कृषि में लिंग संबंधी चिंताएं' विषय पर एक वार्त्ता प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने लिंग अनुकूल मॉडल, मॉड्युल, लिंग समानता, महिलाओं के लिए उपयुक्त श्रम को कम करने वाले औजारों आदि पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि महिला सशक्तिकरण व लिंग मुख्य धारा के लिए पुरुषों और महिलाओं को समाज में किस प्रकार कार्य करना चाहिए। अन्य तकनीकी सत्रों भी विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई: जैसे महिला उद्यमशीलता, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा तथा पहुंच योग्य व अब तक न पहुंचे समाजों में महिला सशक्तिकरण। डॉ. सबिता मिश्रा, डॉ. ज्योति नायक, दोनों प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया तथा मौखिक प्रस्तुतीकरण दिए।

भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की भावी दिशा पर विचार-मंथन कार्यशाला

दिनांक १४ सितम्बर २०१७ को एन ए एससी परिसर, नई दिल्ली में भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की भावी दिशा पर विचार-मंथन कार्यशाला आयोजित की गई। उसकी अध्यक्षता डॉ. पी.दास, पूर्व उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प. अध्यक्ष, क्युआरटी, भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए ने की। डॉ. एन.एस.राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) तथा डॉ.ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प. ने भी सम्मानीय अतिथि के रूप में कार्यशाला की शोभा बढ़ाई। आरंभ में डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए ने अध्यक्ष तथा बैठक में आए अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा अनुसंधान उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के भावी परिदृश्य को प्रस्तुत किया। डॉ. वी पी. चहल, सहायक महानिदेशक (कृषि विस्तार), डॉ.पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), डॉ. विनिता शर्मा, अध्यक्ष, आरएसी भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए तथा देश के विभिन्न भागों से आए छह विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला में भाग लिया तथा भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए और गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की भावी कार्य दिशा तैयार करने में अपने-अपने योगदान दिए। विशेषज्ञों ने निरंतर अन्नयन व लिंग संबंधी मुद्दों पर नीति

awakening the policy makers on gender issues. It was suggested to carry out impact assessment of gender sensitization programmes implemented so far. There is a need for reorienting or re-envisioning the research projects, with strong methodological background and future linkages for scalingup the research outputs. The meeting ended with vote of thanks by Dr. P.S. Pandey, ADG (EP&HS).

निर्धारकों को सचेत करने के लिए किए गए श्रेष्ठ कार्य की सराहना करते हुए संस्थान को बधाई दी। यह सुझाव दिया गया कि अब तक लागू किए गए लिंग संवेदीकरण संबंधी कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन किया जाए। यह भी अनुभव किया गया कि अनुसंधान परियोजनाओं पर पुन: विचार करने की आवश्यकता है जिसके लिए अनुसंधान परिणामों को अनुकूल बनाने हेतु सशक्त क्रियाविधि संबंधी पृष्ठभूमि व भावी सम्पर्कों को उपयोग में लाया जाना चाहिए। बैठक डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प. के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात समाप्त हुई।

REVIEW MEETINGS

Quinquennial Review Team Meeting

The Quinquennial Review Team (QRT) meeting for XII Plan period (2012-17) was held on 17th and 18th June, 2017 at ICAR-CIWA. The QRT meeting was chaired by Dr. P. Das, Chairperson QRT and Ex-DDG (Ag. Ext.), ICAR and attended by members: Dr. Mehtab S. Bamji, Director Grade Scientist, National Institute of Nutrition, Hyderabad; Dr. Vinita Sharma, Ex-Head, Seed Division, DST, New Delhi; Dr. Vandana Dwivedi, Additional Commissioner, INM, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, GOI and Dr. V P Chahal, Member Secretary and Assistant Director General (Ag. Ext.), ICAR, New Delhi. The Director ICAR –CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria and the Scientists of the Institute also attended the meeting. The first meeting of the QRT for the XII Plan was held in 25-26 March 2017 at Bhubaneswar and the Committee also visited the AICRP (HS) Centres at TNAU, Madurai

समीक्षा बैठकें

पंचवर्षीय समीक्षा दल की बैठक

12वीं योजना अवधि (2012-17) के लिए पंचवर्षीय समीक्षा दल (क्यूआरटी) की बैठक दिनांक 17 और 18 जून 2017 को भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए में आयोजित हुई। क्युआरटि बैठक की अध्यक्षता क्यूआरटी केअध्यक्ष व पूर्व उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प. डॉ. दास ने की तथा सदस्यों नामत: डॉ. मेहताब एस. बामजी, निदेशक श्रेणी के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद; डॉ. विनिता शर्मा,पूर्व अध्यक्ष, सीड प्रभाग, डीएसटी, नई दिल्ली; डॉ. वंदना द्विवेदी, अपर आयुक्त, आईएनएम, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. वी.पी. चहल, सदस्य-सचिव व सहायक महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने भी इसमें भाग लिया। निदेशक, भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए, डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया तथा संस्थान के वैज्ञानिक भी बैठक में उपस्थित थे। 12 वीं योजना के लिए क्युआरटी की पहली बैठक में उपस्थित थे। 12वीं योजना के लिए क्यूआरटी की पहली बैठक भुवनेश्वर में दिनांक 25-26 मार्च 2017 को आयोजित हुई थी तथा समिति ने तमिल नाडु कृषि विश्वविद्यालय, मदुरै स्थित एआईसीआरपी (गृह विज्ञान) के केन्द्रों (21-23 अप्रेल), पीजेटीएसएयु,

(21-23 April), PJTSAU, Hyderabad (21-22 April) and GBPUA&T, Pantnagar (19-21 May) and reviewed the work there. In this meeting, the Committee deliberated in detail and finalized the recommendations for ICAR-CIWA and AICRP on Home Science for the XII Plan period. The draft report of the QRT was also discussed and finalized. The Director, ICAR-CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria shared the important initiatives taken by the Institute in the recent past and also informed about the linkages developed for gender research both within the country and with the International organizations. The meeting ended with thanks to the chair and members of QRT and all associated with the meeting.

18th Research Advisory Committee meeting of ICAR-CIWA

The 18th Research Advisory Committee meeting of ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar was held during 27th and 28th July, 2017. Chairperson, Dr. Vinita Sharma, and members, Dr. Prema Ramachandran, Dr. V. V. Sadamate, Dr. R. Rengalakshmi, Dr. P.S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR, Smt. Pratima Mishra, Smt. Sujata Barik, Dr. Jatinder Kishtwaria attended the meeting. At the outset, Dr. Jatinder Kishtwaria welcomed the Chairperson, Members of RAC and other participants in the meeting. In her welcome address, she presented a highlight on research achievements and future perspectives of the Institute. It was followed by the presentation of Action Taken Report (ATR) on the Recommendations of 17th RAC by Dr. J. Charles Jeeva, Member-Secretary, and approved by the RAC. In total, 15 future projects of ICAR-CIWA and 14 projects of AICRP on Home Science to be taken up during the medium term plan period of 2017-20 were presented. The RAC critically reviewed those proposals and offered valuable inputs for reshaping them for better outcomes. The RAC Chairperson and Members also visited an adopted village of the Institute viz., Chamarpada in Cuttack district on 28 July, 2017, and had an interface with the farmwomen. The research and extension activities carried out under the Institute's research projects and through Mera Gaon Mera Gaurav initiative were also reviewed by the RAC. As part of the Interface, drudgery reducing farm tools were also distributed to the participants.

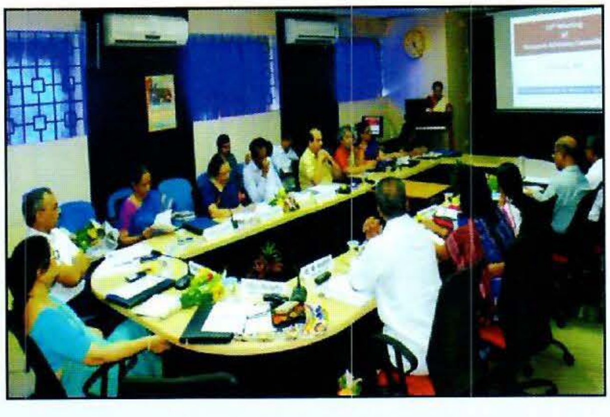

हैदराबाद (21-22 अप्रेल)तथा जीबीपीयुए और टी, पंतनगर (19-21मई) का दौरा किया तथा वहां किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में समिति ने विस्तार से चर्चा की तथा 12 वीं योजना अवधि के लिए भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए और गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के लिए सिफारिशों को अंतिम रूप दिया। क्यूआरटि की मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा हुई और उसे अंतिम रूप दिया गया। भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए की निदेशक डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया ने हाल ही में संस्थान द्वारा आरंभ की गई कुछ महत्वपूर्ण पहलों के बारे में बताया तथा देश में तथा अंतराष्ट्रीय संगठनों के साथ लिंग अनुसंधान के लिए विकसित सम्पर्कों के बारे में सूचित किया। बैठक क्यूआरटि अध्यक्ष व सदस्यों और बैठक से संबंधित सभी महानुभावों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात समाप्त हुई।

भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए की अनुसंधान सलाहकार समिति की १८वीं बैठक

भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए की अनुसंधान सलाहकार समिति की १८वीं बैठक दिनांक २७ और २८ जुलाई २०१७ को भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में आयोजित हुई। समिति की अध्यक्ष डॉ. विनिता शर्मा व अन्य सदस्यों नामत: डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, डॉ. वी. वी. सदामदे, डॉ. आर. रंगालक्ष्मी, डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प.; श्रीमती प्रतिमा मिश्रा, श्रीमती सुजाता बारिक और डॉ. जितेन्द्र किश्तवारिया ने भी बैठक में भाग लिया। आरंभ में डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया ने आरएसी के अध्यक्ष व सदस्यों तथा अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उनहोने संस्थान की अनुसंधान उपलब्धियों व भावी परिदृश्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् डॉ जे,जालस; जीवा, सदस्य-सचिव द्वारा १७ वीं आरएसी की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत की गई तथा इसका आरएसी द्वारा अनुमोदन किया गया। कुल मिलाकर भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए की १५ भावी परियोजनाओं और गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी की १४ योजनाओं को प्रस्तुत किया गया जिन्हें २०१७-२० की मध्यम अवधि की योजना काल के दौरान सम्पन्न किया जाएगा। आरएसी ने इन प्रस्तावों की विस्तार से समीक्षा की तथा बेहतर परिणामों के लिए उन्हें संशोधित रूप देने के लिए अपने मूल्यवान सुझाव दिए। आरएसी के अध्यक्ष व सदस्यों ने २८ जुलाई २०१७ को कटक जिले में संस्थान द्वारा गोद लिए गए गांव चमरपाडा का भी दौरा किया तथा खेतिहर महिलाओं से चर्चा की। संस्थान की अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत चलाई गई अनुसंधान व गतिविधियों के अलावा मेरा गांव मेरा गौरव योजना के अंतर्गत शुरू की गई पहलों की भी आरएसी ने समीक्षा की। इस चर्चा व परिचर्चाओं के दौरान प्रतिभागियों को परिश्रम कम करने वाले खेती संबंधी औजार भी वितरित किए गए।

17th Institute Research Council Meeting

The 17th Institute Research Council (IRC) Meeting of the Institute was held on 1st September, 2017 to review the proposed projects submitted for 2017-20 and the progress of research projects for the period 2016-17. At the outset, Dr. A. K Panda, Member-Secretary, IRC welcomed Dr. P.S. Pandey, ADG (EP & HS), ICAR, Dr. Jatinder Kishtwaria, Director & Chairperson and all the members of the IRC. In her inaugural remarks, Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA highlighted the important achievements made during 2016-17. She also briefed about the suggestions and recommendations given by the QRT. In the opening remarks, Dr. P.S. Pandey, ADG, EP &HS emphasized that the new projects should be need based, as per the mandate of the Institute and should also address the gender issues in agriculture with integrated approach. The information generated should come out as inputs for policy makers. There is a need to strengthen the database on women in agriculture and update the website on regular basis with women friendly technologies for stakeholders. Thereafter, all the scientists presented their new research projects proposed for 2017-20. A total of 15 new projects were discussed. The progress of ongoing research projects for the period from April, 2016 to March, 2017 were also discussed and found to be satisfactory. The Chairperson in her concluding remarks appreciated the efforts of all the PIs and Co-PIs. She further emphasized that efforts should be made on scaling up & commercialization of technologies, projects should have measureable outputs, prioritization of research problems according to the needs of the society, developing indices on gender, creating database on malnutrition of farm families and developing linkages with AICRP, Ministry of Women and Child Development and line departments. The meeting ended with Vote of thanks by Dr. A. K. Panda, Member Secretary, IRC.

संस्थान अनुसंधान परिषद की १७वीं बैठक

वर्ष 2017-20 के लिए प्रस्तुत प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करने तथा 2016-17 अवधि के दौरान अनुसंधान की प्रगति पर विचार करने के लिए संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की 17वीं बैठक 1 सितम्बर 2017 को आयोजित हुई। आरंभ में डॉ ए.के पाण्डा, सदस्य-सचिव, आईआरसी ने डॉ. पी.एस्. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प.; डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक व अध्यक्ष तथा आईआरसी के सभी सदस्यों का स्वागत किया। अपने उद्घाटन टिप्पणी में डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए ने वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उनहोंने क्यूआरटी द्वारा दिए गए सुझावों व सिफारिशों के बारे में भी संक्षेप में बताया। अपनी आरंभिक टिप्पणी में डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक, ईपी और एचएस ने इस बात पर बल दिया कि नई परियोजनाएं आवश्यकता आधारित व संस्थान के अधिदेश के अनुसार होनी चाहिए और इनके द्वारा समेकित दृष्टिकोण में कृषि में लिंग संबंधी मुद्दों को हल किया जाना चाहिए। जो सूचना सृजित हो उसे नीति निर्माताओं के लिए निवेश के रूप में प्रस्तुत किया जाना जाहिए। उन्होंने कहा कि कृषिरत महिलाओं पर डेटाबेस को सबल बनाने व हितधारकों के लिए महिलाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों पर आधारित नियमित वेबसाइट को अद्यमत करने की आवश्यकता है। इसके पश्चात वैज्ञानिकों ने 2017-20 के लिए प्रस्तावित नई अनुसंधान परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। कुल 15 नई परियोजनाओं पर चर्चा हुई। अप्रैल 2016 से मार्च 2017 की अवधि के लिए चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा और इसे संतोषजनक पाया गया। अध्यक्ष ने अपने समापन टिप्पणी में सभी परियोजने अन्वेषकों व सह परियोजना अन्वेषकों के प्रयासों की सराहना की। उनहोंने इस बात पर भी बल दिया कि प्रौद्योगिकियों को आवश्यकता के अनुरूप बनाने व उनके वाणिज्यीकरण के प्रयास किए जाने जाहिए, परियोजनाओं के नपे-तुले परिणाम निकलने चाहिए, समाज की आवश्यकता के अनुसार अनुसंधान समस्याओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लिंग पर सूजकांक विकसित होने चाहिए, एआईसीआरपी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व संबंधित विभागों के साथ सम्पर्क विकसित करने के अलावा ग्रामीण परिवारों के कुपोषण पर डेटाबेस सृजित किए जाने चाहिए। बैठक का समापन आईआरसी के सदस्य-सचिव डॉ. ए.के पाण्डा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS

International Day of Yoga celebrated at ICAR-CIWA

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) Bhubaneswar celebrated International Day of Yoga on 21st June, 2017 in the campus. Director, Dr. Jatinder Kishtwaria welcomed all the staff and

राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषि रत महिला संस्थान (सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर में 21 जून 2017 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया ने स्टाफ का स्वागत किया तथा शांत बने रहने,

emphasized upon the need to practice yoga everyday to maintain calmness, reduce stress and increase work efficiency. On the occasion, a Yoga Session was conducted under the guidance of Yoga expert Mr. Dinabandhu Sarangi. Various Yoga Asanas and Pranayamas were demonstrated and conducted by Yoga expert. All the scientific, technical and administrative staff of ICAR-CIWA enthusiastically participated in the program from 7:15 am to 8:15 am. The Expert also answered various queries raised by the staff on the benefits of specific Asanas & Pranayams on physical as well as mental health. Handouts/ booklets on importance of yoga released by Ministry of AYUSH (Govt of India) has also been distributed among the staff. The program was coordinated by Dr. Arun Kumar Panda (Nodal officer), Dr. Sabita Mishra, Mr. Shaji. A and Mr. Subrat Kumar Das.

तनाव को कम करने व कार्य दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर योग विशेषज्ञ श्री दीनबंधु सारंगी के मार्गदर्शन में योग सत्र भी आयोजित हुआ। योग विशेषज्ञ ने अनेक योगासन व प्राणायाम प्रदर्शित किए। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी व प्रशासनिक स्टाफ ने प्रात:7.15 से 8.15 बजे तक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञ महोदय ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशिष्ट आसनों व प्राणायामों के लाभ के बारे में स्टाफ द्वारा उठाई गई विभिन्न शंकाओं का समाधान किया। आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा जारी की गई योग के महत्व से संबंधित दस्ती पुस्तिकाएं/पुस्तिकाएं भी स्टाफ को बांटी गई। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अरूण कुमार पाण्डा (नोडल अधिकारी), डॉ. सबिता मिश्रा, श्री शाजी ए और श्री सुब्रत कुमार दास ने किया।

SWACHHA BHARAT ABHIYAN

Swachhta Pakhwada (16-31 May, 2017)

As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', 'Swachhta Pakhwada 2017' celebrations were observed during 16th- 31st May, 2017 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The programme started with swachhta pledge taken by all the staff. Mass cleanliness drives were also organized around the farm lands of the Institute, in which all the staff and the farm labourers actively took part and cleaned the weeds and debris around the farms and farm roads. Further, the total farm areas and the Institute premises have been earmarked for each staff in CIWA premises and cleaning and sanitation activities were carried out in their respective plots, daily for one hour during the Swachhta Pakhwada period. Campaigns and human chains were also organized with placards highlighting clean environment.

Campaign on Swachhta Hi Sewa

As part of the *"Swachhta Hi Sewa"* campaign, *"Sewa Diwas"* was celebrated on 17th September, 2017. The celebration started with *Swachhta* pledge taken by all the staff and formation of human chain with placards highlighting clean environment. The *Samagra Swachhta Diwas* programme was organized in Kadua and Dubuduva villages under Satyabadi block in Puri district. About 50 farm women, rural youth and school children participated in the event, wherein the Secretary of the village panchayat, ward member and women SHG leaders also actively took part. The focus of the programme was on awareness creation about using the toilet facilities.

स्वच्छ भारत मिशन

स्वच्छता पखवाड़ा (१६-३१ मई २०१७)

वर्तमान 'राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान' के एक अंग के रूप में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में १६-३१ मई २०१७ के दौरान 'स्वच्छता पखवाडा २०१७' मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टाफ के सभी सदस्यों द्वारा स्वच्छता की शपथ के साथ हुआ। संस्थान की फार्म भूमि के चारों ओर वृहत स्वच्छता अभियान चलाए गए जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों और फार्म श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा फार्मों और फार्म पर बनी सड़कों से खरपतवार और कचरे को हटाकर वहां की सफाई की। सीआईडब्ल्यूए परिसर ने प्रत्येक स्टाफ के लिए कुल फार्म क्षेत्र और संस्थान परिसर को स्वच्छता की दृष्टि से निर्धारित किया गया है जहां स्वच्छता पखवाडा अवधि के दौरान प्रतिदिन एक घंटे के लिए संबंधित प्लाटों में स्वच्छता और सफाई के कार्य किए जाएंगे। स्वच्छ पर्यावरण पर विशेष बल देते हुए प्लैकार्ड दर्शाते हुए अभियान तथा मानव श्रृंखलाएं भी आयोजित की गईं।

स्वच्छता ही सेवा पर अभियान

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के एक अंग के रूप में दिनांक १४ सितम्बर २०१७ को 'सेवा दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर स्टाफ के सभी सदस्यों ने स्वच्छता की शपथ ली तथा स्वच्छ पर्यावरण के बारे में प्लैकार्ड द्वारा दर्शाते हुए मानव श्रृंखला बनाई। पुरी जिले के सत्यबादी ब्लोक के अंतर्गत आने वाले कदुआ और दुबुदुवा गांवों में समग्र स्वच्छता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग ५० खेतिहर महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व विद्यालय के छात्रों ने भाग लिया और ग्राम पंचायत के सचिव, वार्ड के सदस्य तथा स्वयं सेवी महिला संगठनों की अग्रणी महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में शौचालय सुविधाओं के उपयोग के बारे में जागरूकता सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

The activities carried out during the period of campaign also included the celebration of *Sarwatra Swachhta on 25th September, 2017, wherein* every employee contributed towards cleaning of public places. On 27th September, an elocution competition on the theme *"Swachh Bharat-Swasth Bharat"* was conducted, in which the staff

अभियान की अवधि के दौरान जो अन्य गतिविधियां चलाई गईं उनमें २५ सितम्बर २०१७ को आयोजित सर्वत्र स्वच्छता का आयोजन भी शामिल है जिसमें प्रत्येक कर्मचारी ने सार्वजनिक स्थानों को साफ करने में अपना-अपना योगदान दिया। दिनांक २७ सितम्बर को 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें संस्थान

of the Institute participated with enthusiasm, and three winners were selected. On 28th September, tree plantation campaign was also conducted in the Institute premises.

The Centres of AICRP on Home Science, conducted awareness campaigns and lectures on significance of hygiene and sanitation in their adopted villages involving farm women, farmers, school children and rural youth.

"Swachhta of nearby tourist spot" was carried out on 1st October, 2017. The programme was conducted at the parking lot of Udayagiri and Khandagiri Caves, which are partly natural and partly artificial caves of archaeological, historical and religious importance near the city of Bhubaneswar in Odisha. The programmes were carried out in AICRP on Home Science Centres also. The Faculty of AICRP on Home Science, Punjab Agricultural University, Ludhiana conducted the cleaning of tourist place (Heritage Museum) under *"Swachta hi Sewa"* with the students of college of Home Science. During the Valedictory Programme/ Award Ceremony, prizes were distributed to the winners of the *Swachhta* elocution competition on 3rd October, 2017. Further, the housekeeping staff were also felicitated on the occasion, and motivated for the clean upkeep of the Institute's premises. The Director in her remarks encouraged the staff of ICAR-CIWA for continuing the *Swachhta abhiyan* by making a habit.

के स्टाफ सदस्यों ने बढ़े उत्साह के साथ भाग लिया और उनमें से तीन विजेता चुने गए। दिनांक २८ सितम्बर को संस्थान परिसर में वृक्षोरोपण अभियान भी चलाया गया।

गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के केन्द्रों में भी जागरूकता अभियान चला गए तथा खेतिहर महिलाओं, किसानों, विद्यालय के छात्रों व ग्रामीण युवाओं को शामिल करते हुए संस्थान द्वारा गोद लिए गए गांवों में स्वच्छता एवं सफाई के महत्व पर व्याखान दिए गए।

दिनांक १ अक्तूबर २०१७ को 'निकट के पर्यटन स्थल की स्वच्छता' के अंतर्गत स्थल की सफाई की गई। कार्यक्रम की शुरूआत उदयगिर तथा खंडगिरि गुफाओं में पार्किंग स्थल की सफाई से हुई यह गुफा आंशिक रूप से प्राकृतिक है और आंशिक रूप से अभिलेखागारी, ऐतिहासिक व धार्मिक गहत्व की गुफाएं बनाई गई हैं। यह स्थल ओडिशा के भुवनेश्वर शहर के निकट है। ऐसे कार्यक्रम गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के केन्द्रों में भी चलाए गए। गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के अंतर्गत पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के संकाय सदस्यों ने गृह विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों के सहयोग से 'स्वच्छता की सेवा' के अंतर्गत पर्यटन स्थल (हेरिटेज म्यूजियम) की सफाई की। समापन समारोह / पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान दिनांक ३ अक्तूबर २०१७ को स्वच्छता निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्थान के हाउसकीपिंग स्टाफ को भी सम्मानित किया गया और उन्हें संस्थान परिसरों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया गया। निदेशक ने अपने सम्बोधन में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्लूए के स्टाफ के सदस्यों को स्वच्छता को अपनी आदत बनाते हुए स्वच्छता अभियान को जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

EXTENSION ACTIVITIES/ TRAININGS/ WORKSHOPS/ INTERFACE MEETINGS CONDUCTED

Showcasing CIWA Technologies through Organizing Exhibition

ICAR-CIWA's exhibition pavilion was organized jointly with Odisha Watershed Development Mission during the *'Krushi Mahotasav'* at Bhubaneswar during 10-13 April, 2017. The exhibition pavilion was put up with the display of posters, specimens, models and literature on gender-friendly technologies. More than 5,000 farmers from different parts of Odisha visited the CIWA stall, and were briefed about the research and extension activities of the Institute, its role in women empowerment and its technologies for drudgery reduction in farm and home activities, nutrition and livelihood security.

Capacity building programme for farmwomen under the project "Improving availability of quality pulse seed involving women"

A capacity building programme for 20 farm women was conducted under the project "Improving availability of quality pulse seed involving women" for demonstrating Line sowing of pulse seed, Mechanical weeding, Seed cleaning and grading, Seed treatment. The programme was successfully organized by the project team consisting of Dr. Laxmi Priya Sahoo, Dr. S.K. Srivastava, Dr. Charles Jeeva, Er. Chaitrali Mhatre and Ms. Ankita Sahu.

विस्तार गतिविधियां/ प्रशिक्षण/ कार्यशालाएं/ परिचर्चा बैठकें

प्रदर्शनी के आयोजन के माध्यम से भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन

भुवनेश्वर में १०-१३ अप्रैल २०१७ के दौरान आयोजित 'कृषि महोत्सव' के अवसर पर ओडिशा जलसंभर विकास मिशन के साथ संयुक्त रूप से भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए का प्रदर्शनी पवेलियन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन पवेलियन में लिंग अनुकूल प्रौद्योगिकियों पर पोस्टर लगाए गए, नमूने व मोडल रखे गए तथा साहित्य उपलब्ध कराया गया। ओडिशा के विभिन्न भागों से आए ५००० से अधिक किसानों ने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए का स्टोल देखा जहां उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण में संस्थान की भूमिका, खेतों तथा घरों में कार्य के दौरान महिलाओं के श्रम में कमी लाने के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों, पोषण व आजीविका सुरक्षा के बारे में संक्षेप में बताया गया।

'महिलाओं को शामिल करते हुए दलहनों के गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता में सुधार परियोजना के अंतर्गत खेतिहर महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण संबंधी कार्यक्रम

दलहनों के बीजों की कतार में बुवाई, यंत्रों द्वारा निराई-गुडाई, बीज सफाई तथा श्रेणीकरण, बीज के उपचार को दर्शाते हुए प्रदर्शन हेतु 'महिलाओं को शामिल करते हुए गुणवत्तापूर्ण दलहन बीजों की उपलब्धता में सुधार' परियोजना के अंतर्गत २० खेतिहर महिलाओं की क्षमता निर्माण के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन परियोजना दल द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस परियोजना दल में डॉ. लक्ष्मी प्रिया साहू, डॉ.एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. चार्ल्स जीवा, इंजीनियर चैतराली म्हात्रे और श्री अंकिता साहू हैं।

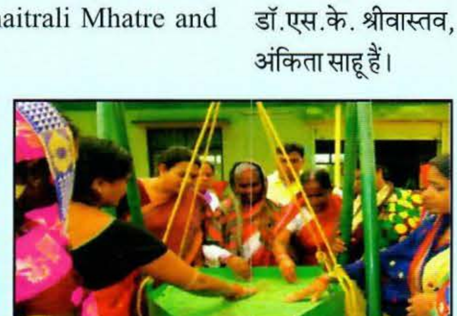

One month training for B. Tech. (Ag. Engg.) students at ICAR-CIWA

Seven numbers of second year B. Tech. (Ag. Engg.) students from College of Agriculture Engineering, VNMKV, Parbhani, Maharastra attended one month training from 1st June to 30th June 2017at ICAR-CIWA, Bhubaneswar under the Farm Machinery and Power Section. During this period, the training was carried out through lectures, demonstration, exposure visit and project formulation. The skill development training was carried out at OUAT, Bhubaneswar and Manufacturing Unit of ICAR-CIWA.

भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए में बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) के लिए एक मास का प्रशिक्षण

कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, विएनएमकेवी, परभणी, महाराष्ट्र से आए बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) के द्वितीय वर्ष के सात छात्रों ने फार्म यंत्र एवं शक्ति अनुभाग के अंतर्गत भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में १ जून से ३० जून २०१७ तक आयोजित एक मास के प्रशिक्षण में भाग लिया। इस अवधि के दौरान व्याख्यानों, प्रदर्शन, सम्पर्क भ्रमण और परियोजना तैयार करने आदि जैसे उपायों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। भुवनेश्वर तथा भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए की विनिर्माण इकाई में कौशल विकास पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

Capacity building programmes of Women SHGs with the collaboration of Odisha Watershed Development Mission and Orissa University of Agriculture and Technology

Different capacity building programmes were organized with the Collaboration of Orissa University of Agriculture and Technology by involving KVKs of ten districts. Orientation trainings were conducted during May-June, 2017 at district level by the respective KVKs for SHGs before the trials conducted at field level. The SHGs were provided a range of support such as on-farm skill demonstration by experts, refresher trainings at cluster level, interactive session with scientists, and advice on trouble shooting, etc. With the ongoing capacity building programmes, the beneficiaries were able to operate different women friendly tools and equipment in paddy fields. Dr Jyoti Nayak attended orientation programme on ' Gender Friendly Farm Tools' at KVKs of Mayurbhanj-1, Keonjhar, Bargarh, Balangir and Kalahandi. Ms. Gayatri Moharana attended the orientation programmes conducted at KVKs of Gajapati, & Rayagada during 29-30 May, 2017, and at Koraput and Nabarangpur during 2-3 June, 2017. The members of total targeted 500 SHGs participated in these programmes.

ओडिशा जलसंभर विकास मिशन और ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से महिला स्वयं सेवी संगठनों के क्षमता निर्माण संबंधी कार्यक्रम

दस जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों को शामिल करते हुए ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से क्षमता निर्माण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभिमुखन प्रशिक्षण संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा जिला स्तर पर मई-जून 2017 के दौरान आयोजित किए गए तथा स्वयं सेवी संगठनों के लिए फील्ड स्तर पर परीक्षण भी लगाए गए। स्वयं सेवी संगठनों को व्यापक सहायता प्रदान की गई जैसे विशेषज्ञों द्वारा फार्म पर कौशल का प्रदर्शन, क्लस्टर स्तर पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण, वैज्ञानिकों के साथ परिचर्चा सत्र तथा कठिनाइयों को दूर करने से संबंधित परामर्श आदि। क्षमता निर्माण संबंधी चल रहे कार्यक्रमों से लाभार्थी धान के खेतों में विभिन्न प्रकार के महिलाओं के लिए उपयोगी औजारों तथा उपकरणों को चलाने में सफल रहे। डॉ. ज्योति नायक ने मयूरभंज 1, क्योंझर, बारगढ़, बालनगिर और कालाहांडी के कृषि विज्ञान केन्द्रों में 'लिंग उपयोगी व अनुकूल खेती संबंधी औजार' पर अभिमुखन कार्यक्रम में भाग लिया जबकि गजपति और रायगडा के कृषि विज्ञान केन्द्रों में चला गए अभिमुखन कार्यक्रमों में सुश्री गायत्री मोहराणा ने भाग लिया। ये दोनों कार्यक्रम क्रमश: कोरापुट में 29-30 मई 2017 तथा नबरंगपुर में 2-3 जून 2017 के दौरान आयोजित किए गए। कुल लक्षित 500 स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

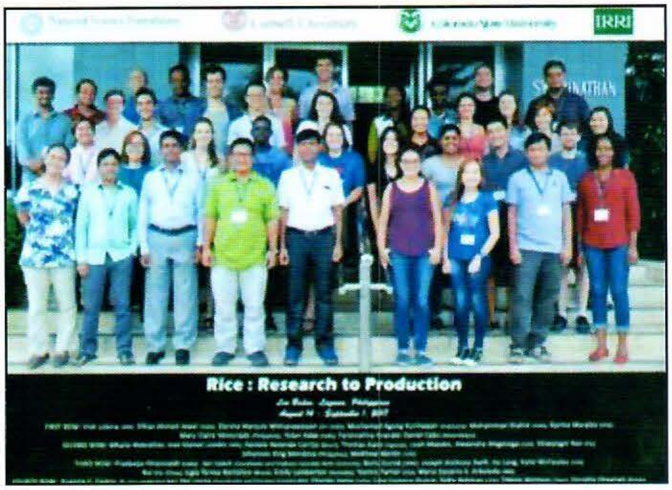

International Deputation

Dr. J. Charles Jeeva, was deputed for the training on 'Rice: Research to Production' at International Rice Research Institute (IRRI), Philippines during 14 August – 01 September, 2017. The deputation was as part of the capacity building of researchers and extension officials under the 'Odisha-IRRI Programme on 'Increasing Productivity of Rice based Cropping Systems and Farmer's Income in Odisha', and in order to develop a strong human resource base in Odisha and capitalize their knowledge and expertise in transfer of technologies, awareness creation, and promotion of modern technologies to larger masses.

Visit of Hon'ble Secretary, ICAR

Shri Chhabilendra Roul, Hon'ble Additional Secretary DARE and Secretary, ICAR visited the Institute on 11th August, 2017 for the Interdepartmental Meeting between CPWD and ICAR Institutes located at Bhubaneswar/ Cuttack.

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनियुक्ति

डॉ.जे. चार्ल्स जीवा को 14 अगस्त-01 सितम्बर 2017 के दौरान 'चावल : अनुसंधान से उत्पादन तक' विषय पर अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), फिलीपाइंस में प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। यह प्रतिनियुक्ति 'ओडिशा में चावल आधारित फसल प्रणालियों की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने' पर ओडिशा-आईआरआरआई कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधानकर्ताओं एवं विस्तार अधिकारियों के क्षमता निर्माण के एक अंग के रूप में की गई थी, ताकि ओडिशा में सशक्त मानव संसाधन आधार विकसित हो सके तथा प्रशिक्षित व्यक्तियों के ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग व्यापक स्तर पर जन-सामान्य में आधुनिक प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूकता सृजित करने, उन्हें बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए किया जा सके।

माननीय सचिव, भा.कृ.अ.प. का दौरा

श्री छबीलेन्द्र राउल, माननीय अपर सचिव, डेयर तथा सचिव, भा.कृ.अ.प ने सीपीडब्ल्यूडी और भा.कृ.अ.प. के भुवनेश्वर/कटक स्थित संस्थानों के बीच अंतरविभागीय बैठक के लिए ११ अगस्त २०१७ को संस्थान का दौरा किया।

Training/ Seminar/ Symposium attended

S. No.	Name of Programme (Training/workshop/ Seminar etc.) attended	Organized By (Name of Institute)	Date of Programme	Participant (Name)
1.	Brainstorming meeting	Bihar Agriculture University, Patna	8-9 May, 2017	Dr. Biswanath Sahoo
2.	Workshop on "Ergonomical guidelines for agricultural tools, equipments and work places"	ICAR-CIAE, Bhopal	15-19 May, 2017	Ms. Gayatri Moharana Er. Chaitrali S. Mhatre
3.	International Conference on Organic Farming for Sustainable Agriculture	OUAT and Centre for Environment and Economic Development at OUAT, Bhubaneswar	2 - 3 June, 2017	Mrs. Ankita Sahu

S. No.	Name of Programme (Training/workshop/ Seminar etc.) attended	Organized By (Name of Institute)	Date of Programme	Participant (Name)
4.	National Workshop on Empowering Farmers of Tribal Areas	Agrl. Extension Division, ICAR at New Delhi	7-8 June, 2017	Dr. J. Charles Jeeva
5.	Workshop on Real Time Flood Forecasting Model for Mahanadi	Water Resources Department, Govt. of Odisha at Bhubaneswar	28 June, 2017	Dr. J. Charles Jeeva
6.	National Consultation on 'Bio resources for Sustainable Development: Biodiversity-Agriculture-Health'	Institute of Life Sciences, Bhubaneswar and Institute of Bio-Resources and Sustainable Development at ILS, Bhubaneswar	31st July - 2nd August, 2017	Mrs. Ankita Sahu
7.	International Training on "Rice: Research to Production"	IRRI, Philippines	14 August-1 September, 2017	Dr. J. Charles Jeeva
8.	Brainstorming Workshop on "Road Map for ICAR-CIWA and AICRP on Home Science"	Agrl. Extension Division, ICAR at NASC, New Delhi	14 September, 2017	Dr. Jatinder Kishtwaria Dr. Anil Kumar Dr. A.K. Panda Dr. J. Charles Jeeva
9.	Developing business proposal for producer companies and startup in agribusiness	ICAR-NAARM, Hyderabad	19-23 September, 2017	Dr. L.P. Sahoo
10.	V Annual Convention of SVSBT	OUAT, Bhubaneswar	22 -23 September, 2017	Dr. Biswanath Sahoo

Human Resource Development

A. Physical targets and achievements

S. No.	Category	Total No. of Employees	No. of trainings planned for 2017-18 as per ATP	No. of employees undergone training during April-Sept 2017	% realization of trainings planned during 2017-18
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**Col. 5/4x 100 = 6**
1	Scientist	13+1	6	5	83.33
2	Technical	12	2	2	100.00
3	Administrative & Finance	8	3	Nil	0.00 (Trainings planned for second half yearly period)
4	SSS	1	1	Nil	0.00 (Trainings planned for second half yearly period)
	Total	35	12	7	58.33

B. Financial targets and achievements (All employees)

S. No.	BE 2017-18 for HRD (Rs in lakhs)	Actual Expenditure up to 30 Sept, 2017 for HRD	% Utilization of allotted budget
1	**2**	**3**	**3*100/2=4**
1.	3.00	1.41	47%

MEETING/ PROGRAMMES ATTENDED BY DIRECTOR ICAR -CIWA, BHUBANESWAR

Date	Details of the Meeting	Venue
1April 2017	Meeting with Mr. Sunil Kumar Singh, AS&AF, DARE, ICAR; Discussion on Plans & Non Plan Expenditure	ICAR-CIFA, Bhubaneswar
23-24 April 2017	QRT Meeting	College of Home Science, TNAU, Madurai
2-3 June 2017	Review the AICRP work on Home Science	Palampur, Himachal Pradesh
17-18 June 2017	Review of QRT Meeting	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
29 June 2017	5th Deans' Committee Meeting for Community Science	ICAR-NAARM, Hyderabad
5-6 July 2017	Unit Meeting of Food & Nutrition Component, AICRP on Home Science	NASC, New Delhi
7 July 2017	Sumer School "Integrated Farming System Farmers Empowerment & Entrepreneurial Development"- Lecture	ICAR-IARI, New Delhi
12 July 2017	Landesa Research Program at the M.S. Swaminathan Research Foundation- Represented the session "Women in Agriculture & the Implications for Nutrition"	Kathmandu, Nepal
16 July 2017	ICAR Foundation Day, Award Ceremony 2017 & Directors Conference	NASC, New Delhi
19 July 2017	Divisional Meeting of the Agricultural Education Division	KAB-II, Pusa, New Delhi
22 July 2017	Workshop "Mitigating Drudgery Reduction of Farm Women"	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
27-28 July 2017	RAC Meeting	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
1 August 2017	National Consultation on "Bio resources for Sustainable Development Biodiversity-Agriculture-Health"	Inst. of Life Sciences, Bhubaneswar
5-6 August 2017	"Women Convention" on the occasion of University Foundation Day	Bihar Agrl. University, Sabour, Bhagalpur
11 August 2017	Interdepartmental Meeting between CPWD and ICAR Institutes located at Bhubaneswar and Cuttack; chaired by Sh. Chhabilendra Roul (Addl. Secretary (DARE) & Secretary, ICAR)	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
1 September 2017	IRC Meeting	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
5 September 2017	EFC Meeting	ICAR, Pusa, New Delhi
14 September 2017	Brainstorming Workshop on "Road Map for ICAR - CIWA and AICRP on Home Science"	ICAR, Pusa, New Delhi
20 September 2017	CAS Assessment Committee Meeting (CAS for Dr. Abha Singh)	ASRB, Pusa, New Delhi
22 September 2017	CAS Assessment Committee Meeting (CAS for Dr. J.C . Jeeva)	ASRB, Pusa, New Delhi

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
: Dr. S. Tanuja
: Mrs. Ankita Sahu

Published by : Dr. Jatinder Kishtwaria, Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar
Odisha-751 003 (India)
Phone- 0674-2387940, 2387241
Fax- 0674-2387242

Email : director.ciwa@icar.gov.in

Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
: डॉ. एस.तनुजा
: श्रीमती अंकिता साहू

प्रकाशन : डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर-बरमुण्डा, भुवनेश्वर - 751 003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2387940, 2387241
फैक्स : 0674-2387242

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in

वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in